

पालिसे एन्न श्री महालक्श्म रागाः

पालिसे एन्न श्री महालक्श्म पालिसे एन्ननु पालाब्दि सन्जाते
ललितान्नि शुभे देवि मन्गळे देवि
वेदाभिमानि सारसाक्शि श्रीधर रमणि कादुको निन्नय
पाद सेवकरन्नु आदि शक्ति सर्वाधारे गुण पूर्णे
दयदिन्द नौडे भजिप भक्तर भय दूर माडे दय पालिसे
माते त्रैलोक्य विख्याते जय देवि सुव्रते हयवदनन प्रीते
नीनल्लदन्य रक्शिपरनु काणे ना मुन्न दानवान्तक सिरि
पुरन्दर विट्टलन ध्यानिप भक्तर मान निन्नदु ताये